

Содержание

| | |
|--|-----|
| Пролог | 5 |
| Тихон Ерофеевич | 13 |
| Ольга | 18 |
| В добрый путь! | 22 |
| Чаепитие с Петуховым | 32 |
| Антон и Лена | 39 |
| Операция «Золотой элеватор» | 48 |
| Скунс – животное полезное | 56 |
| Виктор и Влада | 67 |
| На новом месте | 79 |
| Собеседование | 85 |
| Сутулый человек | 90 |
| Нетрезвая женщина | 100 |
| В ожидании перемен | 107 |
| Разрезанный элеватор | 113 |
| В Багдаде все спокойно | 120 |
| Новая фирма | 127 |
| Империя наносит ответный удар | 136 |
| Возвращение | 144 |
| Пьянка | 150 |
| Чувак, я стучу на тебя | 154 |
| В Венеции | 163 |
| Три пираньи | 174 |
| Телефонные разговоры | 182 |
| Петр Петрович | 191 |
| Шах и мат | 201 |
| Человек с юридическим характером | 207 |

Лана Барсукова

| | |
|------------------------------------|-----|
| Скормить мужа бизнесу | 214 |
| Расставание | 223 |
| Зеленая папка | 231 |
| Заказ принят | 234 |
| Санек | 239 |
| Встреча друзей | 243 |
| Утренний визит | 250 |
| И снова обыск | 254 |
| День плохих новостей | 260 |
| Прощай, Влада | 268 |
| Встреча на Патриарших | 274 |
| Без протокола | 284 |
| Игра на контрасте | 293 |
| Вернуть государству! | 298 |
| Гениальный план Петухова | 304 |
| Поиск свидетелей | 312 |
| Эмоциональные качели | 320 |
| Вишенка на торте | 327 |
| Суд | 332 |
| Эпилог | 344 |